श्री दिगम्बर जैन महासमिति

श्री दिगम्बर जैन समाज की संसद

पत्रिका

श्री दिगम्बर जैन महासमिति का लक्ष्य - संगठित समाज

श्री दिगम्बर जैन महासमिति के सदस्यों के वितरण हेतु पत्रिका

श्री दिगम्बर जैन महासमिति की सदस्यता शुल्क का विवरण

श्रेणी (CATEGORY)	धनराशि (AMOUNT)	(अवधि PERIOD)
विशिष्ट शिरोमणि संरक्षक	100000.00	आजीवन
शिरोमणि संरक्षक	51000.00	आजीवन
संरक्षक	11000.00	आजीवन
विशिष्ट सदस्य	5100.00	आजीवन
सहयोगी सदस्य	3100.00	आजीवन
सम्मानीय सदस्य	1100.00	आजीवन
साधारण सदस्य	500.00	(पाँच वर्ष हेतु)

आवश्यक सूचना

1. पत्रिका शुल्क सदस्यों के लिए 500/– रू वार्षिक देय होगा।
2. सदस्यता पहचान पत्र शुल्क अतिरिक्त 100/– रू देय होगा।
3. अधिक जानकारी एवं सदस्यता फार्म के लिए निम्न पते पर सम्पर्क कर सकते हैं।

धरणेन्द्र कुमार जैन
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
70, कैलाश हिल्स, नई दिल्ली–110065
मो. 8826578600, 9999495706

सदस्यता शुल्क एवं सहयोग के लिए
बैंक खाते का विवरण

Bank Account Detail of	:	Shree Digamber Jain Mahasamiti
Account No	:	10170001973962
Branch	:	Bandhan Bank, East Patel Nagar, Delhi-110008
IFSC Code	:	BDBL0001498

वर्ष 5 - अंक 4 जून 2022

Title Code : DELBIL11586

श्री दिगम्बर जैन महासमिति

सामाजिक, साहित्यिक, राष्ट्रीय चेतना की संदेशवाहक एक मात्र मासिक पत्रिका

राष्ट्रीय अध्यक्ष
डॉ मणीन्द्र जैन
9810043108

राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष
श्रीमती शीला डोडिया

राष्ट्रीय संयोजक
डॉ. रिचा जैन
मो. 9822221951

राष्ट्रीय महामंत्री
प्रवीन कुमार जैन (लोनी)
मो. 9811227718, 9711227718

राष्ट्रीय महिला महामंत्री
संगीता कासलीवाल

प्रधान सम्पादक
धरणेन्द्र कुमार जैन
मो. 8826578600, 9999495706
ईमेल : dkjdhir@gmail.com

महिला सम्पादक
1. डॉ. ममता जैन, पूना, मो. 8668734864
2. निर्मल जैन पाण्डया, अजमेर, मो. 8619531143

संपादक (विदेश)
कुँवर पाल शाह U.S.A.

स्वत्वाधिकारी व प्रकाशक
डॉ मणीन्द्र जैन

मुख्य कार्यालय
Shree Digamber Jain Mahasamiti
70, Kailash Hills New Delhi-110065
Mobile : 9810043108,8826578600
E-mail : sdjmsnational@gmail.com

मुद्रक : रचना सिंडिकेट
बी. एस. सागवान
मो. 8178438390
दिल्ली-110093

विषय सूची

1. सम्पादकीय ... 2
2. एक अद्‌भुत संस्मरण (जहाजपुर) 3
3. समर्पण हमारे लौकिक 4
4. आत्म संयंत्री होना ... 5
5. मां की प्रेरणा ने ऊंचाइयाँ प्रदान की ... 6
6. मधु शाह बनी अध्यक्ष ... 7
7. सुषमा पाटनी श्रमण संस्कृति.. 8
8. श्रुत पंचमी 9
9. भेडाघाट पंच कल्याणक में 10
10. 10 दिवसीय धार्मिक शिक्षण शिविर... 11
11. विधवा की लाडो के विवाह में किया सहयोग 12
12. अशक्त गौमाताओं की सेवा 13
13. गौरवपूर्ण क्षण 14
14. नाटक कार्यक्रम की झलकियां.... 15
15. लाइन्स अतुल पाटनी 16
16. पुलक मंच परिवार की 17

लेखक के विचारों से सम्पादक या इसकी प्रकाशन संस्था श्री दिगम्बर जैन महासमिति का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सम्पादकीय

विज्ञान तथा अध्यात्म

हमारा अभिप्राय यहाँ सम्पन्न एवं निर्धन लोगों से नहीं अपितु धार्मिक एवं वैज्ञानिक लोगों से है। वैज्ञानिकों का दावा है कि धर्म व अध्यात्म का आधार अन्ध श्रद्धा है, जबकि विज्ञान ठोस वास्तविकता है, क्योंकि इसे प्रयोगों द्वारा सिद्ध किया जा चुका है। यह कहना गलत है कि धर्म एवं अध्यात्म का आधार अन्ध श्रद्धा है और उनके सिद्धान्तों को सिद्ध नहीं किया गया है।

प्राचीन काल के ऋषी न केवल महान बुद्ध जीवी थे अपितु सत्य के दृष्टा ऋषी थे। बुद्धजीवी समाज की पूँजी होते हैं। किन्तु केवल शब्द व विचार पर्याप्त नहीं। जो लोग उन सिद्धातों पर आचरण करते हैं, वास्तव में वे ही उन शब्दों तथा विचारों में सौन्दर्य व प्राण फूंकते हैं।

विश्व का इतिहास बैर – विरोध, बदले की भावना तथा नफरत की कहानियों से भरपूर है। प्रत्येक वस्तु को छीनकर अपनाने तथा बाकी सबको अपने अंगूठे तले दबाकर रखने के प्रयास में, मानव ने खून की नदियाँ बहा दी हैं। वास्तव में पीछे मुड़कर देखें तो लगेगा मानव जाति में रत्ती भर भी करुणा नहीं है, हमारे कर्म इतने क्रूर रहे हैं। हमें इतिहास से सबक तो सीखना चाहिए, किन्तु वही रुक न जाएं। इन्हीं भूतकाल के अन्धेरे गलियारों से निकलकर, शान्ति, एकता व भाई चारे के प्रकाश–पथ पर आने में विज्ञान तथा अध्यात्म का एकीकरण हमारा सहायक सिद्ध होगा।

अध्यात्म वह कुंजी है जिसके द्वारा हम अपने हृदयों को खोलवर सबको करुणा की दृष्टि से देख सकते हैं। यही द्दष्टिकोंण मानव की प्रगति हेतु हमारे अनुसन्धान तथा विकास क्षेत्र में भी होना चाहिए। वैज्ञानिकों के मन में करुणा हो। इसी भाँति अध्यात्म में वैज्ञानिक दृष्टिकोंण अपनाया जाए, तभी अध्यात्म तथा धर्म मानव–जाति के उत्थान में सहायर होंगे

- धरणेन्द्र कुमार जैन, नई दिल्ली

एक अद्भुत संस्मरण (जहाजपुर)

संसार में पूर्व जन्मों के तीव्र पुण्य कर्मों के उदय से हम भारत भूमि पर जैन कुल में जन्म पाते हैं। हम पुण्यवानों में कुछ ही ऐसे होते हैं, जिनके कार्यों से समाज, धर्म और देश गौरवान्वित होता है। ऐसा ही एक नाम महान विदुषी, लेखिका कवियत्री, धर्मज्ञाता आर्यिकारत्न 105 स्वस्ति भूषण माताजी का है।

सूरज, चंदा, तारे, जुगनू सब की अपनी हस्ती है।
जिसमें जितना नीर वो बदली उतनी देर बरसती है।।

सिवनी (मध्य प्रदेश) में जन्मी एक छोटी सी गुड़िया (संगीता) ने वात्सल्य मूर्ति संत शिरोमणि त्रिलोक तीर्थ प्रणेता आचार्य श्री सन्मति सागर जी से 1996 में दीक्षा लेने के दिन से ही आर्यिकारत्न स्वस्ति भूषण माता जी आज देश भर में सूरज चन्द्रमा की भांति अपनी आशीर्वाद युक्त छटा से जैन समाज को सुशोभित एवं लाभान्वित कर रही हैं।

हमारे परिवार का आचार्य श्री सन्मति सागर जी महाराज जी से बहुत पुराना आत्मीय सम्बन्ध रहा है, तथा समय–समय पर आचार्य श्री के साथ–साथ आर्यिका रत्न स्वस्ति भूषण माता जी का आशीर्वाद मिलता रहा है। मुझे आर्यिका रत्न जी गुरु से ज्यादा बहन के रूप में से दिखायी देती हैं। इसका कारण आत्मीयता, वात्सल्य एवं धार्मिक सामाजिक चिंतन की चर्चा के समय बहन की भांति आदरपूर्ण मार्ग दर्शन देती हैं। हजारों किलोमीटर की पद यात्रा, ध्यान योग शिविरों के द्वारा प्रभावना तथा 100 से ज्यादा पुस्तकों का लेखन आपकी विशेष उपलब्धिया हैं।

सन 2013 में भगवान महावीर जयंती के अवसर पर जहाजपुर भीलवाड़ा) में भूगर्भ से खुदाई में निकली अतिशय कारी तीर्थंकर भगवान मुनिसुव्रत नाथ जी की प्रतिमा प्रगट होने के पश्चात 2020 (7 साल) में आर्यिकारत्न स्वस्ति भूषण माता जी की प्रेरणा एवं मंगल आशीर्वाद से जहाज के आकार का भव्य श्री जी का मंदिर बनकर पंचकल्याणक होना चमत्कार ही है।

मैं उन पुण्यशाली श्रावकों में से हूं, जिन्होंने इस भव्य पंचकल्याणक में राजस्थान के राज्यपाल महामहिम श्री कलराज मिश्र जी के साथ सम्मिलित होने तथा विदुषी आर्यिकारत्न 105 स्वस्ति भूषण जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। महामहिम जी का भी आभारी हूँ कि उन्होंने एक ही बार के निवेदन पर पंचकल्याणक में शामिल होने की स्वीकृति दे दी थी।

महामहिम जी को तथा स्वयं मुझे श्री जी की अतिशयकारी प्रतिमा के दर्शन कर हृदय में अपार शांति तथा सतत समाज, धर्म और देश की सेवा करने की ऊर्जा मिली। यह मेरे लिए अद्भुत संस्मरण था जिसे में गुरु माँ के आशीर्वाद के रूप में जीवन भर याद रखूँगा।

मुझे संघस्थ मनीष भैया जी से ज्ञात हुआ है कि शीघ्र ही "भगवान मुनि सुब्रतनाथ स्वस्ति अभिवंदना ग्रन्थ" का प्रकाशन किया जा रहा है। यह ग्रन्थ निश्चित ही क्षेत्र के विकास, प्रचार प्रसार तथा धर्म प्रभावना में मील का पत्थर साबित होगा।

जयजिनेन्द्र, जय मुनिसुब्रत नाथ।

- डॉ. मणीन्द्र जैन
राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री दिगम्बर जैन महासमिति

समर्पण हमारे लौकिक एवं पारलौकिक जीवन की उन्नति के लिए आवश्यक है।

समर्पण प्रत्येक प्राणी के लिए अत्यंत आवश्यक भाव है। यही वह भाव है जिसके माध्यम से हम अपने आत्मीय जनों के प्रिय बन सकते हैं। यह स्मरण है कि राग, द्वेष, घृणा तथा स्वार्थ का त्याग किए बिना समर्पण की कल्पना व्यर्थ है। हमारे जीवन के प्रत्येक पहलू में समर्पण का भाव आवश्यक है। समर्पण हमारे लौकिक एवं पारलौकिक दोनों जीवन की उन्नति के लिए आवश्यक है। संबंधों में मधुरता के लिए हमें परस्पर समर्पण भाव रखते हुए का निर्वहन करना होता है। स्वार्थ की दृष्टि से बनाए गए रिश्ते अल्पावधि के रिश्तों समाप्त हो जाते हैं। इसी प्रकार लक्ष्य की प्राप्ति के लिए भी समर्पण भाव का होना अत्यंत आवश्यक है। जब इस अपने संपूर्ण समर्पण के साथ लक्ष्य प्राप्ति के लिए समर्पित हो जाते हैं, तब कोई भी लक्ष्य हमसे दूर नहीं रहता।

समर्पण साथ–साथ विश्वास का होना भी आवश्यक है। जिस प्रकार एक बीज धरती में रोपित किया जाता है, तो वह संपूर्ण रूप से खुद को धरती मां की गोद में समर्पित कर देता है। तभी उसमे विकास के नए अंकुर फूट पड़ते हैं। भास्कर की किरण उसे शक्ति प्रदान करती है। पवन की शीतलता उसे दुलारती है। मेघ उसका अभिसिंचन करते हैं। इस प्रकार उसे संपूर्ण प्रकृति का सहयोग एवं साहचर्य मिलने लगता है। उसके बाद वह धीरे–धीरे एक संपूर्ण वृक्ष का आकार ले लेता है। एक ऐसे वृक्ष का, जिसके आश्रय तमाम प्राणी शीतलता प्राप्त करते हैं। यही नहीं, वह वृक्ष सैकड़ों चीजों के जनक होने का गौरव भी प्राप्त करता है।

अणु से विभु, लघु से विराट बनने की प्रक्रिया आत्मसमर्पण के सांचे और ढांचे में परिपूर्ण होती है। समर्पण हमारे अहंकार को समाप्त कर हमें सामाजिक कल्याण हेतु उपयुक्त भी बनाता है। समर्पण से ही किसी का विश्वास अर्जित किया जा सकता है। इसी विश्वास से प्रायः हम जीवन क ` सबसे अमूल्य अवसर प्राप्त करते हैं। यही अवसर हमारी प्रगति में निर्णायक सिद्ध होते हैं।

- ज्योति जैन, एटा

आत्म सयंमी होना किसी भी श्रेष्ठ व्यक्ति का प्रथम लक्षण है

आत्मसंयम मनुष्य की ऐसी आंतरिक क्षमता है, जिसके आधार पर मनुष्य अपना समग्रविकास करने में सक्षम होता है। बुरी आदतों पर नियंत्रण आत्मसंयम की शक्ति से ही संभव है। असल में यही खराब आदतें हमारी प्रगति की राह में बनती है। यदि दृढ इच्छाशक्ति और आत्मसंयम में सही ताल मिल जाए तो असंभव से लक्ष्य को भी सरलता से प्राप्त किया जा सकता है। सयंम एक ऐसा बीज मंत्र या आवरण है, जो हर स्थिति में कारगर होता है। इस संसार में जितने भी महापुरुष हुए हैं, उनका जीवन यही संदेश देता है कि उनके उत्कर्ष में आत्मसंयम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आत्मसंयमी होना किसी भी श्रेष्ठ व्यक्ति का प्रथम लक्षण है।

जिन लोगों में आत्मसंयम होता है उनका स्वास्थ्य, रिश्ते, आर्थिक स्थिति और कैरियर अन्य लोगों की अपेक्षा बेहतर होता है। ऐसे लोग जीवन से अधिक संतुष्ट रहते हैं। उन्हें जीवन अधिक सार्थक लगता है। आत्मसंयम का जीवन रचनात्मकता से ओतप्रोत होता है। यह सद्‌गुण काम, क्रोध, लोभ, मोह और भय को दूर करने के साथ व्यक्ति के व्यक्तित्व को गहराई एवं गंभीरता प्रदान कर उसके जीवन को सुखप्रद बनाता है। आत्मसंयम का महामंत्र आत्मसात कर हम अपनी असीमित इच्छाओं के अश्व की लगाम अपने हाथ में रख सकते हैं। थोड़ा गहराई में जाएं तो संयमी की यात्रा कंकर से शंकर बनने की है।

हमें अपने जीवन में आत्मसंयम की आवश्यकता इसलिए भी पड़ती है, ताकि हम पथ से भटके बिना अपने लक्ष्य तक पहुंचने में सफल हो सकें। हमें मार्ग से भटकाने वाले कई विकल्प प्रतिदिन मिलते हैं, तो उस भटकाव से बचाने में आत्मसंयम ही उपयोगी सिद्ध होता है। दूसरी ओर असंयमी व्यक्ति अपने जीवन का अधिकांश भाग व्यसनों के वशीभूत होकर व्यर्थ कर देता है। संयम की साधना में संगति और स्थान विशेष का काफी असर पड़ता है। इसीलिए संगति, स्थान और वातावरण का चयन बहुत सावधानी एवं बुद्धिमत्ता से करना चाहिए।

- डॉ. मणीन्द्र जैन
राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री दिगम्बर जैन महासमिति

मां की प्रेरणा ने ऊंचाइयाँ प्रदान की

समाजसेवा के क्षेत्र में विशिष्ट स्थान बना चुके श्री प्रकाश जैन (पाटनी) ने न केवल जैन समाज अपितु अन्य सभी धर्मावलंबियों के बीच भी अपनी छाप छोड़ी है। एक दिसम्बर 1956 को श्री पी.सी. जैन के घर जन्मे श्री प्रकाश जैन ने बी.एस.सी. व एमए ऑनर्स तक शिक्षा प्राप्त की है और दवा व्यवसायी हैं। वे भारतीय जैन मिलन की अजमेर इकाई के अध्यक्ष हैं और इसी साल संस्था के शाखा विस्तार कार्यक्रम के राष्ट्रीय संयोजक मनोनीत किए गए हैं। उन्होंने अजमेर रेलवे स्टेशन पर नॉनवेज स्टॉल के विरोध और बूढ़ा पुष्कर क्षेत्र में कार सेवा करने में अहम भूमिका अदा की है। सर्वधर्म मैत्री संघ, अजमेर के चार साल से अध्यक्ष हैं और वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ इन्टर रिलिजियस काउन्सिल के राष्ट्रीय संयोजक बनाए गए हैं। वे अपनी टीम के साथ वर्ष में एक बार अनेक शहरों के धार्मिक स्थल मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वारा, बोध मठ इत्यादि की सामूहिक यात्रा करते हैं। सभी धार्मिक पर्वो पर सभी समुदाय प्रमुखों को एक मंच पर बुला कर समरसता के लिए सतत प्रयत्नशील रहते हैं। वे लॉयन्स क्लब के जोन चेयरमेन रह चुके हैं और लॉयन्स क्लब इन्टरनेशनल की ओर से उनको लीडरशिप अवार्ड से नवाजा जा चुका है। उनके कार्यकाल में क्लब को डिस्ट्रिक्ट का पहला मॉडल क्लब घोषित किया गया। श्री दिगम्बर जैन महासमिति की अजमेर इकाई के युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष की जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने दो अक्टूबर अहिंसा दिवस पर मुनि विशदसागर जी महाराज के सानिध्य में विशाल रैली का आयोजन करवाया था। आपने पर्युषण के उपलक्ष में क्षमावाणी दिवस पर सैन्ट मेरिज कॉन्वेन्ट स्कूल में भव्य आयोजन कर विभिन्न धर्मों के धर्म गुरुओं के बीच क्षमा एक संस्कार्य पर परिचर्चा करवाई। वे जय मां वैष्णो देवी समिति के संरक्षक, अणुव्रत समिति के उपाध्यक्ष, बर्ड कंजरवेटिव सोसायटी के सदस्य, अजयमेरु नागरिक अधिकार व जन चेतना समिति के महामंत्री, स्वतंत्र जैन चिन्तन मासिक पत्रिका के सांस्कृतिक मंत्री और समन्वय वाणी, जयपुर के संयुक्त मंत्री हैं, उत्कृष्ट सेवाओं के लिए दो बार जिला प्रशासन से सम्मानित हो चुके हैं एवं एक बार संभागीय स्तर पर सम्मानित हुए जिला परिषद द्वारा भी दो बार सम्मानित हो चुके हैं सभी संस्थाओं में उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित होकर बड़े पदों को हासिल किया है विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ के द्वारा आपको विद्यावाचस्पति का सम्मान भी प्राप्त हुआ है सभी सामानों के अलावा दिगंबर जैन मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज के द्वारा संचालित सेवायतन संस्था के उपाध्यक्ष रहे हैं। सेवा कार्य के लिए मां से संस्कार मिले मॉ आज 88 वर्ष की उम्र में भी निःशुल्क कई प्रकार के असाध्य रोग धरण, चणक, गले का आना, मासपेशियों में खिचाव, नवजात शिशुओं में ढूंढ़ी का होना इत्यादि। सरल स्वभावी मृदुभाषी वात्सल्य मई धर्मात्मा है आपकी मां मनोरमा जैन उन्होंने ही समाज सेवा के लिए प्रेरित किया है।

- धरणेन्द कुमार जैन, दिल्ली

श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला संभाग कोटा के चुनाव सम्पन्न, मधु शाह बनी अध्यक्ष

श्री दिगंबर जैन महासमिति, महिला संभाग कोटा के चुनाव सोमवार को सम्पन्न हुए।

चुनाव अधिकारी डॉ. संतोष जैन ने बताया कि कोटा सम्भाग की सभी इकाइयों के अध्यक्ष, मंत्री, पदाधिकारी एवं सदस्यों की उपस्थिती में सर्वसम्मति से मधु शाह को अध्यक्ष पद के लिए चुना गया। इसके अलावा मंत्री किरण जैन, कोषाध्यक्ष रजनी जैन, महिला प्रकोष्ठ मंत्री मंजू अजमेरा, युवा प्रकोष्ठ मंत्री नीना लुहाड़िया आदि को भी चुना गया।

इस दौरान मंगलाचरण, दीप प्रज्वलन, साल भर किये गए कार्यक्रमों एवं आगामी कार्यक्रमों का भी लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया।

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति जबलपुर संभाग द्वारा समर क्वीन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें महिलाओं ने बढ चढकर हिस्सा लिया।

- प्रीतिपाली, अध्यक्ष

<u>**सुषमा पाटनी श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर की संरक्षक बनी**</u>

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति अजमेर कोषाध्यक्ष श्रीमती सुषमा पाटनी जयपुर स्थित श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर की संरक्षक के पद पर आसीन हुई हैं। महिला महासमिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती शीला डोडिया ने आज सर्वोदय कॉलोनी इकाई की मंत्री रेणु पाटनी के निवास स्थान पर श्रीमती सुषमा पाटनी को संस्थान के संरक्षक पद पर आसीन किया इस अवसर पर श्रीमती निर्मला जी रावत (प्रेसीडेंट, स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड ऑफ इंडिया फॉर द डिसेबल), अशोक जी चंदवाड़, युवा महिला संभाग मंत्री श्रीमती सोनिका भेसा, मोनिका सुरलाया, मंजू पाटनी, मनीष पाटनी आदि मौजूद रहे इससे पूर्व अजमेर आने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती शीला डोडिया का तिलक लगाकर, माल्यार्पण कर सभी सदस्याओं ने भव्य स्वागत किया तत्पश्चात श्रीमती शीला डोडिया ने धार्मिक व सामाजिक मुद्दों पर अपने विचार रखते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अंत में समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने जानकारी दी कि श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के लिए श्रीमती सुषमा पाटनी द्वारा सहयोग राशि का चेक भेंट किया।

With Maharashtra child & women welfare minister respected Yashomati Thakur didi

श्रुत पंचमी भक्तिभाव एवम हर्षोल्लास से मनाई

श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला एवं युवा महिला संभाग अजमेर की चन्द्र नगर इकाई के द्वारा श्रुत पंचमी पर्व बहुत हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। अभिषेक व शांतिधारा के पश्चात शोभा यात्रा निकाली गई जिसमें गाजे बाजे के साथ सभी महिलाओ ने माँ जिनवाणी को अपने अपने सिर पर रखकर भक्ति की जुलूस का सभी जगह भव्य स्वागत हुआ। अध्यक्ष शिखा बिलाला ने बताया कि कलश स्थापना ईकाई अध्यक्ष लता जैन, शास्त्र स्थापित रीटा जैन द्वारा किए गए। निर्मला, राजेश, किरन, रागिनी, सुनीता, मिथिलेश रजनी, उमा, नीलम, सुधा, मीनू आदि ने शास्त्र स्थापित कर अपना योगदान प्रदान किया। श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने बताया कि ज्येष्ठ माह के शुल्क पक्ष की पंचमी को इस युग के अंतिम तीर्थंकर वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी के मोक्ष गमन के उपरांत उनकी दिव्य ध्वनि से प्राप्त वाणी से लेखन कार्य श्री षटखनडागम ग्रंथ के रूप में पुष्पदंत व भूतबली महाराज के दिन आज ही के दिन संपन्न हुआ इसलिए श्रुत पंचमी पर्व मनाई जाती है इसी कड़ी में आज समिति की सर्वोदय कॉलोनी इकाई, पार्श्वनाथ कॉलोनी महावीर सर्किल इकाई ने भी जुलूस निकाल कर जिनवाणी माता को यथा स्थान स्थापित किया।

भेडाघाट पंचकल्याणक में भगवान के जन्माभिषेक के अवसर और गर्भकल्याणक का जुलूस और माता मरुदेवी का आशीर्वाद लिया।

जैन महिला महासमिति के अधिवेशन में सागर संभाग पुरस्कृत

जैन तीर्थ बजरंगगढ़ गुना में श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति का अधिवेशन हुआ। इसमें मध्य प्रदेश के विभिन्न शहरों से संभागीय एवं जिलास्तरीय पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया। अधिवेशन में सागर संभाग से प्रतिनिधित्व करते हुए अध्यक्ष संध्या सिंघई, रेखा जैन ने विचार व्यक्त किए। अधिवेशन में साक्षी सराफ, अनिता और रुपाली जैन भी शामिल हुईं। अधिवेशन में सागर संभाग द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम की संयोजक ज्योति जैन गुना एवं इंदु गांधी ने आभार व्यक्त किया।

10 दिवसीय धार्मिक शिक्षण शिविर का समापन समारोह आयोजित

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के रजत गौरव महोत्सव के उपलक्षय में **श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति** अचंल राजस्थान की ओर से गुलाबी नगरी के 35 दिगम्बर जैन मंदिरों में आयोजित 10 दिवसीय धार्मिक शिक्षण शिविर का समापन समारोह शनिवार को तौतूका सभागार भट्टारक जी की नसियां में स्वस्तिभूषण माताजी के सानिध्य में किया गया। राजस्थान अंचल अध्यक्ष श्रीमती शालिनी बाकलीवाल ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ जैन समाज के भामाशाह अशोक श्रीमती सुशीला पाटनी (आर के मार्बल) श्रीमती ममता सोगानी (जापान वाले), प्रमोद श्रीमती नीना पहाड़ियां (ए आर एल ग्रुप) ने दीप प्रज्वलन व चित्र अनावरण कर किया। इस अवसर पर गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ने कहा कि संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज व मुनि पुंगव सुधासागर जी महाराज की अनुपम देन है, श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर। इस छात्रावास से अब तक 750 पांडित जी तैयार हो चुके हैं जो पूरे देश में समाज की सेवा कर रहे हैं। माताजी ने अशोक जी सुशीला जो पाटनी को समाज की आन बान शान बताया जो धर्म और संस्कृति के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। माताजी ने कहा कि बच्चों को धार्मिक संस्कारों से संस्कारित करने का अनुपम व अनोखा तरीका है धार्मिक पाठशाला राजस्थान अचंल धार्मिक मंत्री व शिविर संयोजक विनीता जैन ने बताया कि समापन समारोह में जयपुर के 35 मंदिरों के अध्यक्ष, मंत्री, संयोजक, स्थानीय विद्वान और प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सभी बच्चों को सम्मानित किया गया पुरस्कार दिए गए। विशिष्ट स्थान प्राप्त करने वाले शिविरार्थियों को पंडित रतनलाल जी बैनाडा की स्मृति में रत्नाकर पुरस्कार दिए गए। मौखिक परीक्षा में पर्व बाकलीवाल (महावीर नगर प्रथम), बालबोध प्रथम में प्रथम जैन (शक्ति नगर), बालबोध द्वितीय में लविश जैन (चित्रकूट कॉलोनी सांगानेर), दाला में अविरल जैन (चित्रकूट कॉलोनी सांगानेर), इष्टोपदेश में प्रियंका जैन (चित्रकूट कॉलोनी सांगानेर), तत्वार्थ सूत्र में बाबूलाल जैन (महावीर नगर प्रथम), रत्नाकर पुरस्कार विजेता रहे राजस्थान अंचल कोषाध्यक्ष श्रीमती सुशीला छाबडा ने बताया कि इस मौके पर बेस्ट मंदिर का अवॉर्ड श्री दिगम्बर जैन मंदिर चित्रकूट कॉलोनी सांगानेर श्री दिगम्बर जैन मंदिर वरुण पथ, श्री दिगम्बर जैन मंदिर विवेक विहार, एवं श्री चंदाप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर दुर्गापुर को दिया गया। संस्थान के विद्वान प्रदीप जैन, विनय जैन, विकास जैन आदि का भी सम्मान किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिष्ठात्री बालिका छात्रावास श्रीमती शीला जैन डोडिया एवं अचंल परामर्शक डॉक्टर वंदना जैन ने शिविर के संबंध में जानकारी दी और सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। संभागीय अध्यक्षा श्रीमती विद्युत लुहाडिया ने बताया कि इस अवसर पर सुधांशु कासलीवाल, विवेक काला, ज्ञानचंद झाझरी, प्रमोद पहाड़िया, शैलेंद्र गोधा, दर्शन जैन, प्रदीप लुहाड़िया भारत भूषण, प्रदीप लाला, विनोद कोटखावदा, सुरेश कासलीवाल, मनीष बैद्द सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। संस्थान के डॉक्टर शीतल चंद्र जैन, पंडित जयकुमार जैन, प्राचार्य अरुण कुमार जैन ने श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के 25 वर्ष पूर्ण होने की गौरव गाथा का बखान किया, साथ ही बताया कि आज समाज सेवा के लिए संस्थान की ओर से विद्वान तैयार किए जा रहे हैं। रजत महोत्सव मुख्य संयोजक श्रीमान उत्तम कुमार पाटनी ने सभी का आभार प्रकट किया श्राविका शिरोमणि श्रीमती सुशीला पाटनी (आर के मार्बल) ने बच्चों और समाज से आव्हान किया कि जब भी मंदिर जी या साधु संतों के दर्शन करने जाएं सादगी पूर्ण वेशभूषा धारण करके ही जाए।

विधवा की लाडो के विवाह में किया सहयोग

श्री दिगम्बर जैन महासमिति एवं महिला महासमिति अजमेर के तत्वावधान में माखुपुरा क्षेत्र की विधवा महिला राधा देवी की बिटिया पूजा का विवाह आगामी दिनों में होने जा रहा है। महिला संभाग की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी की मौजूदगी में गृहस्थ जीवन में उपयोगी सामान भेंट करते हुए सहयोग किया। मंत्री सोनिका भैंसा ने बताया कि समाजसेवी राकेश पालीवाल ने इस जरूरतमंद परिवार की बिटिया को शादी के लिए जरूरत के सभी सामान, जेवर आदि सामग्री देकर सहयोग किया। समाजसेवी कमलेश राकेश पालीवाल, सोनिका भैंसा, सुनीता मुकेश ठाडा, अतुल पाटनी, रेणु पाटनी ने भी सहयोग किया।

DY. COMM. OF पुलिस (DCP)सूरत श्री सागर बागमार जैन जो दिल्ली सेंटर से 2017 बैच से I.P.S बने हैं , मिलकर गर्वित हुए. आज देश में हमारे लगभग 320 प्रतिभाशाली अधिकारी जिन शासन की सेवा कर रहे हैं. साथ मे JIO CENTRE के President Sri vijay jain जी एवं centre के Director Sri-sanjay sankhlecha जी हैं.

- डॉ मणीन्द्र जैन
Executive चेयरमैन JIO

शांतिनाथ भगवान के जन्म, तप एवं मोक्ष कल्याणक के अवसर पर अशक्त गौमाताओं की सेवा

श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला एवम युवा महिला संभाग अजमेर द्वारा कीर्ति स्तंभ महावीर सर्कल से जीवदया के अंतर्गत समिति की महिला प्रकोष्ठ मंत्री श्रीमती अनीता बड़जात्या के संयोजन में अजमेर शहर से लगभग तीस किलोमीटर दूर श्री कृष्ण गोशाला सेवा समिति बाड़ीघाटी (पुष्कर) की चार सौ से अधिक अशक्त गऊमाताओं के लिए एक हजार पांच सौ किलो हराचारा भिजवाया गया **श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने** बताया कि जैन धर्म के सोलहवें तीर्थंकर **1008** भगवान शांतिनाथ के जन्म, तप एवं मोक्ष कल्याणक के अवसर पर भीषण गर्मी को देखते हुए जीवदया के अंतर्गत अशक्त गौमाताओं के लिए हरे चारे की सेवा भिजवाई गई श्री दिगम्बर जैन महासमिति अजमेर के अध्यक्ष अतुल पाटनी ने बताया कि जीवदया के इस अनुकरणीय कार्य में महेंद्र जैन, राजेंद्र जैन एवं शरद बड़जात्या का सहयोग रहा।

राजमन्दिर जयपुर मे पिक्चर रिलीज होने के समय "अन्तर यात्री" महापुरुष की माता का रौल निभाने वाली मैडम के साथ राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष श्रीमती शीला जैन डोडिया।

गौरवपूर्ण क्षण

संसद मार्ग पर स्थित NDMC CONVENTION सेंटर में 21.5.2022 को संपन्न हुए भव्य सम्मान समारोह में हम सभी के प्रिय समाज सेवी **डॉ मणीन्द्र जैन** जी को पूर्व राष्ट्रपति डॉ APJ अब्दुल कलाम सम्मान से राजनैतिक एवं प्रमुख व्यक्तित्वों की उपस्थिति में सम्मानित किया गया।

- डॉ रिचा जैन, राष्ट्रीय संयोजक

केकड़ी संभाग धार्मिक शिक्षण शिविर के तहत रात्रि को चल रहे सांस्कृतिक कार्यक्रम में श्री दिगम्बर जैन महासमिति के सानिध्य में बनी वीरा बालिका मंडल ने पाठशाला के बच्चों को मंगलाचरण छोटे बच्चों को भक्ति नृत्य बहुत ही सुंदर षट लेश्या नाटक कार्यक्रम की झलकियां।

- नीता गदिया
अध्यक्ष केंकड़ी संभाग

केकड़ी संभाग द्वारा ऋषभदेव जिनालय में चल रहे सिद्धचक्र मंडल विधान में शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम में महिला महासमिति द्वारा मां की ममता नृत्य नाटिका का मंचन किया गया और बेमिसाल जोड़ी नंबर वन हास्य नाटिका आदि कार्यक्रम कराए गए उस कार्यक्रम की झलकियां।

लायन अतुल पाटनी लायन ऑफ दा ईयर लायन मधु पाटनी पिलर ऑफ क्लब से नवाजी गई क्लब की विशेष सभा में पाटनी दम्पति को विभिन्न पुरस्कार प्राप्त हुए

लायंस क्लब अजमेर आस्था लायनेस्टिक वर्ष 2021–22 का वार्षिक अध्यक्षीय सम्मान समारोह लायंस क्लब इंटरनेशनल 3233 के पूर्व बहु प्रांतीय अध्यक्ष लायन अविनाश शर्मा के मुख्य आथित्य में एवं क्लब अध्यक्ष लायन निलेश अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया जिसमें अध्यक्ष लायन निलेश अग्रवाल ने क्लब के संस्थापक सदस्य लायन अतुल पाटनी को लायन ऑफ दा ईयर व लायन मधु पाटनी को पिलर ऑफ दा क्लब के सर्वोच्च पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि लायन अविनाश शर्मा ने पाटनी दंपती द्वारा जीव दया के साथ पीड़ित एवं जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए उल्लेखनीय सेवाएं देने के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए विशेष पुरस्कार में लायन अतुल पाटनी को अंतराष्ट्रीय अध्यक्ष की पिन, अंतराष्ट्रीय अध्यक्ष का मेडल, सेंचुरियन पिन का स्मृति चिन्ह के साथ मल्टीपल एप्रिसियेशन सर्टिफिकेट व लायन मधु पाटनी को इंटरनेशनल प्रेसीडेंट का मेडल, सेंचुरियन पिन स्मृति चिन्ह इंटरनेशनल प्रेसिडेंट का मेडल आदि देकर सम्मानित किया इस अवसर पर क्लब परिवार के सदस्यों के साथ लायन सदस्यों के माता पिता सहित आमंत्रित विशिष्ट जन मौजूद रहे।

पुलक मंच परिवार की राष्ट्रीय संयोजक डॉ. रिचा जैन का किया सत्कार

सामाजिक क्षेत्र में अग्रणी तथा राष्ट्रीय संयोजक श्री दिगम्बर जैन महासमिति तथा राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष पुलक मंच परिवार डॉ. रिचा जैन का डॉक्टर डे पर परिषद के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष रामकृष्ण गुप्ता की अगुवाई में शाल तथा पुष्पगुच्छ देकर उनके समाज तथा चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान पर सत्कार किया गया। सत्कार की कड़ी में गोपाल लद्दड, विनोद फाफट, शांतनु गुप्ता, कनक गुप्ता, अलका गुप्ता ने भाग लिया। विदित हो डॉ. रिचा जैन के क्लिनिक में स्किन से जुड़ी सभी बीमारियों का इलाज आधुनिक मशीनों द्वारा किया जाता है। महान चिकित्सक डॉ. विधानचंद रॉय जो कि पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री थे, उनकी याद में प्रतिवर्ष 1 जुलाई को नेशनल डॉक्टर्स डे मनाया जाता है। भारत में पहली बार डॉक्टर्स डे 1991 में मनाया गया था। तभी से चिकित्सा जगत में डॉक्टरों के विशेष योगदान पर कृतज्ञता व्यक्त की जाती है। समाजसेवी डाक्टर हरसमय मरीजों की सेवा में तत्पर रहते हैं। संस्था के सदस्यों ने क्लीनिक का अवलोकन किया तथा प्रसन्नता जाहिर की।

पंजीकरण संख्या : S-33/29-11-2017 डाक पंजीकरण संख्या : DL(E)-20/5535/2018-20

मधु पाटनी महिला संभाग एवं सोनिका भैंसा युवा महिला संभाग की अध्यक्ष

श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला संभाग एंव युवा महिला संभाग के चुनाव समिति की संरक्षक श्रीमती निर्मला पांड्या, संस्थापक सुर्यकांता जैन युवा महिला संभाग संस्थापक अर्चना गंगवाल के सानिध्य में निर्विरोध सम्पन्न हुए। इससे पूर्व सुर्यकांता जैन ने सभी सदस्यों को महासमिति के बने नियम व मंदिर जी की मर्यादा रखने के बारे मे बताया। समिति की संस्थापक निर्मला पांड्या ने बताया कि महिला संभाग में अध्यक्ष के पद पर मधु पाटनी मंत्री के पद पर सरला लुहाडिया परामर्शक शिखा बिलाला, कोषाध्यक्ष सुषमा पाटनी, महिला प्रकोष्ठ मंत्री रीटा जैन, युवा महिला प्रकोष्ठ मंत्री अनिता बडजात्या. प्रचार प्रसार मंत्री मोना पाटनी, सांस्कृतिक मंत्री व अंजु अजमेरा, धार्मिक मंत्री अनामिका सुरलाया के अलावा कार्यकारिणी सदस्य नवल छाबडा, दीपाली जैन, पिंकी पाटनी, मंजुला जैन व मनोनीत सदस्य अनिता पाटनी, दनगसिया, साधना डा. बीना पाटोदी चुनी गई । अर्चना गंगवाल ने बताया कि युवा महिला संभाग के पदाधिकारियों में अध्यक्ष सोनिका भैसा, भावना बाकलीवाल, परामर्शक रोशनी सोगानी, कोषाध्यक्ष मंजू ठोलिया, महिला प्रकोष्ठ मंत्री रिंकु कासलीवाल, सदस्यों में युवा महिला प्रकोष्ठ पालीवाल, मंत्री रेणु पाटनी, प्रचार प्रसार मंत्री नीलम गदिया, सांस्कृतिक मंत्री प्रियंका सेठी, धार्मिक मंत्री कामिनी सेठी के साथ कार्यकारिणी सदस्यों में सुधा पालीवाल, मधु काला, सविता सेठी, सुनीता सेठी के अलावा मनोनीत सदस्यों में नीलू पाटोदी, पार्षद श्रीमती रूबी जैन का चयन हुआ।

श्री दिगम्बर जैन महासमिति के प्रदेश महासचिव श्री भाग्येश जी को प्रधानमंत्री जन कल्याणकारी योजना जागरूकता अभियान में प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है, बहुत बहुत बधाई

If undelivered please return to :

70, Kailash Hills New Delhi-110065
Mob. :- 9810043108, 8826578600